Date-07/07/2020
Smt Dr Tapati Mukherjee
Associate Prof.
Music Dept Mob No 99346...
Rohtas Mahila College
Sasaram.

Study material for B.A. Part III Hons.
Theory Paper 8th

Topic: वीणा के 36" लंबे तारों पर श्रीनिवास के स्वरों की स्थापना।

17th Century में श्रीनिवास जी के पंडित अहोबल के अनुरूप सात शुद्ध और पांच विकृत स्वरों की स्थापना वीणा के तार पर किये हैं। उन्होंने वीणा के मेरु और ब्रिज के बीच तार की लम्बाई को 36" रखें। ब्रिज (Bridge) जिसको पूर्व मेरु कहते हैं तुम्बे की ओर होता है तथा उस पर तार रखे जाते हैं, दूसरी ओर खूँटियों के निकट तार धारण होता है जिस पर तार रखे जाते हैं, तार धारण को ही अति या अन्त मेरु कहते हैं, वीणा के तार को, जिसकी लम्बाई ब्रिज से मेरु तक जिसकी लम्बाई 36" है, उसे छेड़ने से मध्य सप्तक का षड्ज स्वर उत्पन्न होता है।

(1) तार षड्ज की स्थापना - ब्रिज तथा मेरु के के बीच में तार षड्ज की स्थापना होती है। अर्थात् तार की लम्बाई 36" और इनके बीच में ब्रिज से 18" पर तार षड्ज की स्थापना हुई। तत् पश्चात तार-षड्ज और मेरु के बीच में अन्य स्वरों की स्थापना हुई।

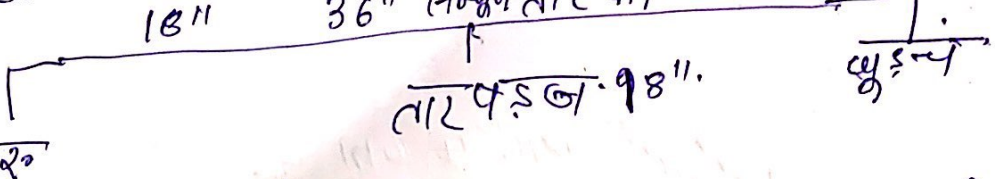

(2) पंचम स्वर की स्थापना — मेरु एवं तार षड्ज की लम्बाई को तीन समानान्तर पर विभाजित करते हुए तार षड्ज से प्रथम भाग पर पंचम स्वर की स्थापना होती है, 18" को तीन भाग करने से एक भाग 6" का हुआ

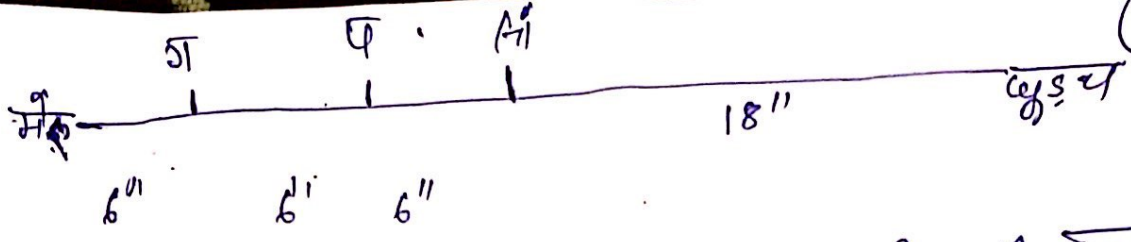

(3) मध्यम स्वरों की स्थापना . मध्यम स्वरों की स्थापना तार षड्ज तथा मेरु के बीच में करते हैं। तार षड्ज और मेरु के तार की लम्बाई 18" है, इसलिए मध्यम स्वर तार षड्ज से 9" दूरी पर स्थापित है तथा तार सा 18" + 9" = 27" खूंटी पर स्थापित हुआ।

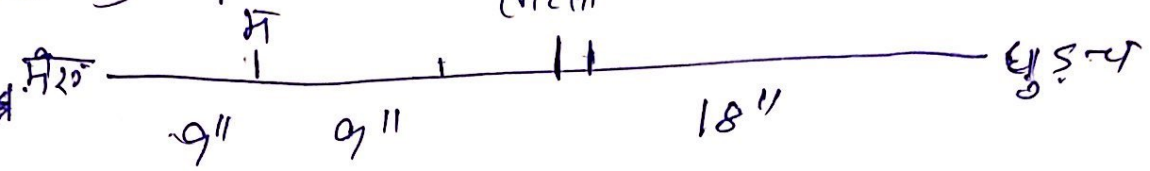

(4)

गांधार स्वरों की स्थापना :- गांधार स्वर की स्थापना मेरु और पंचम स्वरों के बीचोबीच किया गया है। मेरु से पंचम स्वर की तार की लम्बाई कुल 18" है, इसलिए गांधार स्वर पंचम से 6" की दूरी पर है, अर्थात खुड़च से पंचम 24" + 6" = 30" पर स्थापित है।

(5) ऋषभ स्वरों की स्थापना

मेरु तथा पंचम स्वर के तार की लम्बाई भी 12" है जिसे तीन बराबर भाग में विभाजित करते हुए प्रथम भाग पर ऋषभ स्वर की स्थापना हुई। 12" को तीन बराबर भाग करने पर एक भाग 4" का होता है, अतः ऋषभ स्वर खुड़च से पंचम 24" + 8" = 32" पर हुआ।

Next Note. To be Continued.